Early Mediaeval Europe (लगभग 5वीं से 11वीं सदी) में स्त्रियों की स्थिति एक-सी नहीं थी — वह वर्ग, क्षेत्र और धर्म के अनुसार बदलती थी। इसे व्यवस्थित रूप से समझते हैं।

1️⃣ पारिवारिक एवं सामाजिक स्थिति

🔹 पितृसत्तात्मक समाज

परिवार का प्रमुख पुरुष (पिता/पति) होता था।
स्त्री की पहचान प्रायः पिता या पति से जुड़ी होती थी।
विवाह अक्सर परिवारों के बीच समझौता होता था।

🔹 विवाह

प्रेम विवाह दुर्लभ।
राजनीतिक और आर्थिक कारणों से विवाह।
तलाक बहुत कठिन (विशेषकर ईसाई चर्च के प्रभाव के बाद)।
चर्च विवाह को पवित्र और अविच्छेद्य मानता था।

2️⃣ कानूनी स्थिति

स्थिति एक समान नहीं थी — जर्मनिक और रोमन परंपराएँ अलग थीं।

🔸 जर्मनिक कानूनों में

स्त्रियों को कुछ संपत्ति अधिकार मिलते थे।
"वेरगिल्ड" (मुआवज़ा राशि) में स्त्री का भी मूल्य निर्धारित था।
विधवा को पति की संपत्ति का हिस्सा मिल सकता था।

🔸 रोमन परंपरा में

संपत्ति का अधिकार सीमित।
उच्च वर्ग की स्त्रियाँ अधिक सुरक्षित स्थिति में।

3️⃣ आर्थिक भूमिका

🔹 ग्रामीण समाज (Manorial system)

अधिकांश स्त्रियाँ खेतों में काम करती थीं।
ऊन कातना, बुनाई, पशुपालन, भोजन बनाना।
श्रम में पुरुषों के साथ योगदान।

🔹 शहरी क्षेत्र (जहाँ थे)

हस्तशिल्प, छोटे व्यापार।
पति की मृत्यु के बाद दुकान संभालना।

👉 निष्कर्ष: आर्थिक रूप से सक्रिय थीं, लेकिन नियंत्रण पुरुषों के हाथ में था।

4️⃣ धार्मिक भूमिका (चर्च का प्रभाव)

ईसाई धर्म ने स्त्रियों की स्थिति को दो तरह से प्रभावित किया:

🔸 सीमाएँ

स्त्री को "ईव" (पाप का प्रतीक) से जोड़ा गया।
चर्च नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका सीमित।

🔸 अवसर

मठ (Convent) में प्रवेश।
कुछ महिलाएँ Abbess (महंत) बनीं।
शिक्षा का अवसर (विशेषकर कुलीन वर्ग में)।

5️⃣ वर्ग के अनुसार अंतर

वर्ग
स्थिति
कुलीन स्त्रियाँ
राजनीतिक विवाह, महल प्रबंधन, कभी-कभी शासन (Regent)

मध्य वर्ग
व्यापार में सहयोग
किसान स्त्रियाँ
कठोर श्रम, कम अधिकार
दासी (Serf women)
सबसे कठिन स्थिति
6 राजनीतिक प्रभाव
कुछ अपवाद भी थे:
क्वीन मदर या रीजेंट के रूप में शासन
उदाहरण: फ्रांस, इंग्लैंड में कुछ रानियाँ वास्तविक सत्ता चलाती थीं
पर यह सामान्य स्थिति नहीं थी